फुलेरा दूज की कथा ।

PHULERA DOOJ KI KATHA PDF IN HINDI

pdfinbox.com

राधा रानी को प्रकृति और प्रेम की देवी माना जाता है। कहा जाता है कि एक बार श्री कृष्ण काम में व्यस्त होने के कारण बहुत दिनों तक राधारानी से मिलने नहीं जा सके। राधा रानी के साथ-साथ गोपियां भी इस बात से बहुत दुखी हुईं और उनकी नाराजगी का असर प्रकृति पर दिखने लगा। फूल और जंगल सूखने लगे। प्रकृति का यह नजारा देखकर श्रीकृष्ण को राधा की दशा का अंदाजा हो गया। इसके बाद वे बरसाना पहुंचे और राधारानी से मिले।

इससे राधारानी प्रसन्न हुईं और चारों ओर फिर से हरियाली छा गई। श्रीकृष्ण ने एक फूल तोड़ा और राधारानी पर फेंक दिया। इसके बाद राधा ने भी पुष्प तोड़कर कृष्ण पर फेंके। फिर गोपियां भी एक दूसरे पर फूल फेंकने लगीं। हर तरफ फूलों की होली शुरू हो गई। उस दिन फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि थी। तभी से इस दिन को फुलेरा दूज के नाम से जाना जाने लगा।

pdfinbox.com